Roll No. ....

ED–2094

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2021

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(अ) वह धन जो भोजन में खर्च होना चाहिये बाल-बच्चों को पेट काटकर गहनों की भेंद कर दिया जाता है। बच्चों को दूध न मिले, न सही। घी की गन्ध तक उनकी नाक में न पहुँचे, न सही। मेवों और फलों के दर्शन उन्हें न हों, कोई परवाह नहीं, पर देवी जी गहने जरूर पहनेंगी और स्वामी जी गहने जरूर बनवाएँगे। दस-दस, बीस-बीस रुपये पाने वाले क्लर्कों की देखता हूँ, जो सड़ी हुई कोठरियों में पशुओं की भाँति जीवन काटते हैं, जिन्हें सबेरे जलपान तक भयस्सर नहीं होता, उन पर भी गहनों की सनक सवार रहती है। इस

प्रति से हमारा सर्वनाश होता जा रहा है। में तो कहता हूँ, यह गुलामी पराधीनता से कहीं बढ़कर है। इसके कारण हमारा कितना आत्मिक, नैतिक दैहिक आर्थिक एवं धार्मिक पतन हो रहा है इसका अनुमान ब्रह्मा भी नहीं कर सकते है।

अथवा

हथकड़ियाँ यह शब्द तीर की भाँति रमा की छाती में लगा। वह सिर से पाँव काँप उठा। उस विपत्ति की कल्पना करके उसकी आँखे डबडबा आयीं। वह धीरे-धीरे सिर झुकाये सजा पाये हुए कैदी की भाँति जाकर आपनी कुर्सी पर बैठ गया, पर वह भयंकर शब्द बीच-बीच में उसके हृदय में गूँज जाता था। आकाश पर काली घटााएँ छाई थी। सूर्य का कहीं पता न था। क्या वह भी उस घटा रूपी कारागार में बन्द है। क्या उसके हाथों में भी हथकड़ियाँ है।

(ब) घीसू खड़ा हो गया और जैसे उल्लास की लहरों में तैरता हुआ बोला “हाँ बेटा, बैकुण्ठ में जाएगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुण्ठ में जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं ओर अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं।”

अथवा

भय ये चीखकर ओर में जोन के लिए भागती हुई औरतों पर दाया कर भीड़ छँट गई। चौधरी बेसुध पड़े थे। जब उन्हें

होश आया, ड्योढ़ी का पर्दा आँगन में सामने पड़ा था, परन्तु उसे उठाकर फिर से लटका देने की सामर्थ्य उनमें शेष न थी। शायद अब उसकी आवश्यकता भी न थी। पर्दा जिस भावना का अवलम्ब था, वह मर चुकी थी।

(स) गनी ने कुएँ की सिल पर बैठकर कहा, 'देख रक्खे पहलवानक्या से क्या हो गया है ? भरा-पूरा घर छोड़कर गया था और आज यहाँ यह मिट्टी छोड़कर भी जाने को मन नहीं करता और उसकी आँखें फिर छलछला आयीं।

अथवा

बड़ी देर से छा गई चुप्पी की सहसा तोड़कर बड़े निराश स्वर में साफिया बोली, 'मुनीर साहब की बीबी के पाँव तो जमीन पर ही नहीं पड़ते। इतनी उम्र हो गई फिर भी जेवरों से लदी, पीली-उजली दुल्हन बनी फिरती है। भला बहू-बेटियों के सामने बुढ़ियों का सिंगार क्या अच्छा लगता है। वाहिद ने करवट बदली और लम्बी साँस लेकर कहा जिसे खुदा ने दिया है, वह क्यों न पहनें ? अपना-अपना नसीब है साफिया।

2. 'गबन' उपन्यास का कथानक संक्षेप में समझाइए। 12

अथवा

'गबन' उपन्यास की नायिका जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

3. कहानी के तत्वों के आधार पर 'ठेस' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

'परदा' अथवा 'जली हुई रस्सी' कहानी का सारांश लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए— 15

(i) उपेन्द्रनाथ अश्वक का साहित्यिक योगदान

(ii) शिवानी का रचना संसार

(iii) रमाकांत की चारित्रिक विशेषताएँ

(iv) 'आकाशदीप' कहानी का उद्देश्य

(v) हिन्दी कहानी की विकास यात्रा

(vi) 'गदल' कहानी की विशेषता

(vii) 'मलबे का मालिक' कहानी का कथानक

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(i) मुंशी प्रेमचन्द्र उर्दू में किस नाम से रचना लिखा करते थे ?

(ii) 'गबन' उपन्यास में रमानाथ घर से भागकर किस शहर गया ?

(iii) 'गोदान' किसकी रचना है ?

(iv) 'जली हुई रस्सी' के कहानीकार का नाम बताइए।

(v) चंपाद्वीप का नाम किसके नाम पर रखा गया ?

(vi) प्रेमचंद जयन्ती किस तारीख को मनाई जाती है ?

(vii) शामनाथ किस कहानी का पात्र है ?

(viii) शिवानी का जन्म कब हुआ ?

(ix) आपके पाठ्यक्रम में शामिल भारत पाकिस्तान विभाजन कपर आधारित कहानी का नाम बताइए।

(x) 'मैला आँचल' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(xi) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'चंद्रगुप्त' किस विधा की रचना है ?

(xii) बुधिया किसकी पत्नी है ?

(xiii) 'परदा' कहानी समाज के किस वर्ग की कहानी है ?

(xiv) गदल के बेटे का नाम बताइए।

(xv) 'आकाशदीप' कहानी के कहानीकार का नाम बताइये।

(xvi) शीतलपाटी का सम्बन्ध किस कहानी से है ?

(xvii) गबन उपन्यास में गबन कौन करता है ?

(xviii) बुधिया जब प्रसव पीड़ा में कराह रही थी तब घीसे और माधव क्या भूनकर रखा रहे थे ?